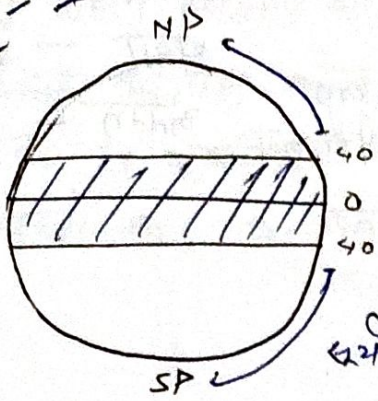


Part-II

# अक्षांशीय ताप संतुलन

→ कृत्रिम वितरण



सूर्यतम की अधिक मात्रा प्राप्त एवं उष्ण का कारण

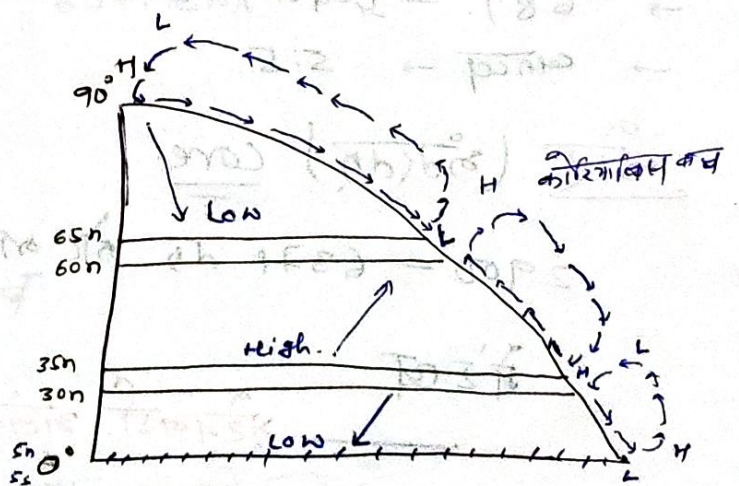
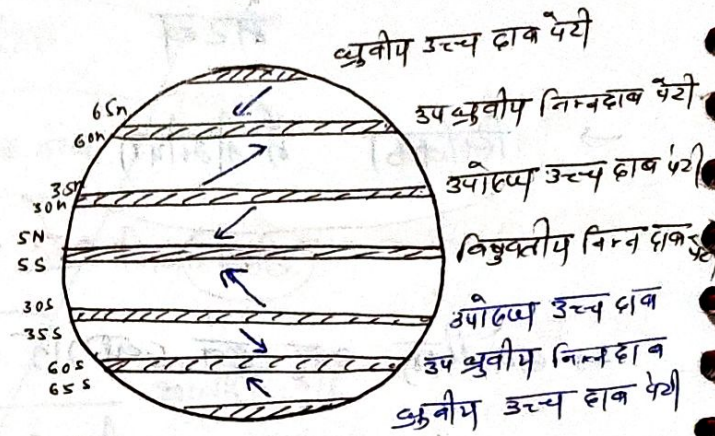
ध्रुवतम की कम मात्रा प्राप्त एवं उष्ण का अधिक कारण

## वायुदाब पैटर्न

धरातक पर कुल 7 वायुदाब पैटर्न पायी जाती हैं। इन वायुदाब पैटर्न की उत्पत्ति 2 कारणों के होते हैं -

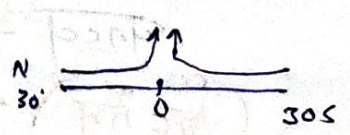
1. तापीय कारण
  2. गलात्मक कारण
- इन दोनों कारणों के संयुक्त प्रभाव के कारण धरातक पर कुल 3 निम्न वायुदाब पैटर्न और 4 उच्च वायुदाब पैटर्न पायी जाती हैं।

1. विषुवत रेखीय निम्नदाब पट्टी
2. उपोष्ण उच्चदाब पट्टी
3. उपध्रुवीय निम्नदाब पट्टी
4. ध्रुवीय उच्चदाब पट्टी



## 1. विषुवत रेखीय निम्न दाब पट्टी

- 5°N से 5°S तक निम्न दाब पट्टियाँ - तापीय कारणों से
- वर्ष भर अधिक तापमान - संवलीय कारणों से
- उपोष्ण उच्च दाब पट्टी के अवाहित होने वाली वायु विषुवत निम्न दाब की ओर बहती है
- डीकडम की कक्षा है
- उपोष्ण उच्च वायुदाब की पट्टी का विषुवत से उत्तर के पायी जाती है



## 2. उपोष्ण उच्च दाक पॅटी

ARGI PRAT

- 30n सै 35n के बीच - गल्फ्स्ट्रिमक शाखाओं के
- 50 मी. के निरंतर लप के फनी जानी हैं
- नै गहरीयों के पश्चिमी भागों के उष्ण जोकाई के
- यहाँ बहव नही करते

## 3. उपध्रुवीय विन्तदाक पॅटी

- ध्रुवीय उच्च दाक सै हवाएँ विन्तदाक की तरफ झाले हैं की कोरियासिपलु बच के कोषण हवाएँ विकीर्णत मानी बुकते अगत बनानी हैं अउर अक्षग-2 बनरो नै ध्रुवीय हैं हव केन्द्र नै विन्तदाक उच्चन धरे हैं

## 4. ध्रुवीय उच्च दाक पॅटी .

### वायुमंडलीय परिहंचयण

को  $\frac{0}{90}$   $\frac{0}{30}$   $\frac{90}{0}$  जावाइ

